कामधेनु–एकीकृत आदिवासी डेयरी विकास परियोजना जिला बैतूल
ग्राम–बिधवा जिला बैतूल

आजिविका का बेहतर विकल्प बना दुग्ध व्यवसाय

दुग्ध व्यवसाय के पूर्व हितग्राही की आर्थिक स्थितिः

श्री अन्नु सम्मू कामधेनु परियोजना से जुडने के पूर्व गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अनू.जन. जाति वर्ग के हितग्राही हैं। इनके पास 1.5 एकड़ असिंचित भूमि होने के इन्हें कारण मजदूरी के लिए जिले के बाहर जाना पडता था।

समिति सदस्य –	
हितग्राही का नामः	**श्री अन्नू सम्मू**
जातिः	**अजजा**
निवासीः	**ग्राम –बिघवा जिला बैतूल**
दुग्ध सहकारी समिति का नामः	**बिघवा सहकारी दुग्ध समिति**
सदस्य को प्रदायित दूधारू पशुः	**गाय–3**
वर्तमान में दुधारू पशुओं की संख्या :	**3 दुधारू पशु**

दुग्ध व्यवसाय के पश्चात हितग्राही के आर्थिक स्थिति में सुधारः

श्री अन्नु सम्मू को शासन की विशेष केन्द्रीय सहायता व्दारा वर्ष 2006 में लघु डेयरी ईकाइ स्थापना हेतु कामधेनु के अन्तर्गत 3 दुधारू गायें, पशु शेड, तीन माह तक निशुल्क पशु आहार तथा पशु पालन प्रबंधन का प्रशिक्षण भोपाल दुग्ध संघ द्वारा दिया गया । श्री अन्नु सम्मू ने दुधारू गायें स्वंय हरियाणा जाकर क्रय की । इन्होंने दुग्ध उत्पादन कर ग्राम में ही गठित दुग्ध सहकारी समिति में दुग्ध विक्रय कर दिसं 09 तक लगभग 13879 लीटर दूध बेचकर 1,64,763 रूपये का भुगतान प्राप्त किया है।

दुग्ध व्यवसाय अपनाने में हितग्राही के रहन सहन में आया सुधारः

श्री अन्नु सम्मू एकीकृत आदिवासी डेयरी विकास परियोजना कामधेनु से जुडने से पूर्व मजदूरी करने जिले के बाहर जाते थे आज इन्हें मजदूरी के लिये गांव के बाहर जाना नहीं पडता है। ये गांव में ही दुग्ध व्यवसाय कर रहे हैं और अपने बच्चो को पढा रहे है। इन्होने रू 5000 जमा कर रखे है। पहले खेती से 2 से 4 बोरी गेंहु होता था अब 10 टेक्टर गोबर की खाद से गेंहू का उत्पादन भी बढ़कर 8 से 10 बोरे हो गया है।